Patrika (Indore), 13th August 2016

आईआईटी इंदौर इंजीनियरिंग, बेसिक साइंसेज, ह्यूमैनिटीज और इंटरडिसीप्लीनरी रिसर्च के लिहाज से एक प्रमुख संस्थान माना जाता है।

आईआईटी इंदौर से रिसर्च के अवसर

इंजीनियरिंग में पोस्ट ग्रेजुएशन या आईआईटी से एक तय सीजीपीए के साथ बीटेक कर चुके जो लोग पीएचडी करके अपने कॅरियर को एक नया आयाम देना चाहते हैं, वे आईआईटी इंदौर में इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। संस्थान ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में रिसर्च के लिए आवेदन मंगवाए हैं। संस्थान की प्रवेश संबंधी अनिवार्यताएं पूरी करने पर आप यहां आवेदन कर सकते हैं। चयन के लिए प्रवेश परीक्षा को आधार बनाया जाएगा। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है और इसके लिए अंतिम तिथि 19 अगस्त 2016 निर्धारित की गई है।

आईआईटी इंदौर में एस्ट्रोनॉमी, बायो मेडिकल इंजीनियरिंग और मटीरियल साइंसेज जैसे आधुनिक फील्ड्स में इंटरडिसीप्लीनरी रिसर्च भी होती है।

आईआईटी इंदौर में पीएचडी के लिए आवेदन करते समय तो आपको अपनी सारी डीटेल्स भरनी ही हैं, इसके अलावा रिटेन टेस्ट या इंटरव्यू के समय आपको इन दस्तावेजों की प्रतियां और अपने फोटोग्राफ साथ लेकर भी आने हैं। इनसे आपके आवेदन की सत्यता की जांचकी जा सकती है।इस दौरान आपको कौन-कौनसे दस्तावेज लेकर आने हैं, इसके बारे में विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। प्रवेश परीक्षा और इंटरव्यू 20-21 अगस्त को हो सकते हैं।

कई हैं कैटेगिरीज

प्रवेश कई कैटेगिरीज के तहत मिलना है-
फैलोशिप अवॉर्ड्स- सीएसआईआर, यूजीसी,एनबीएचएम आदि से फैलोशिप या आईआईटी इंदौर में जेआरएफ/एसआरएफ प्रोजेक्ट स्टाफ वर्कर।
टीचिंग असिस्टेंटशिप- टीचिंग असिस्टेंटशिप के साथ स्कॉलरशिप।
स्पॉन्सर्ड विद्आउट इंस्टीट्यूट स्कॉलरशिप- प्रतिष्ठित औद्योगिक या अनुसंधान संगठन से स्पॉन्सर्ड। संस्थान से स्कॉलरशिप नहीं।

देनी होगी परीक्षा

आईआईटी इंदौर से पीएचडी करने के इच्छुक आवेदकों को रिटेन एग्जाम और इंटरव्यू देना होगा। इसका आयोजन 20-21 अगस्त को किया जाना है। जो लोग अनिवार्य योग्यताओं को पूरा करते हैं, उन्हें इस दिन संस्थान पहुंच जाना है। इसके लिए अलग से कोई पत्राचार आपके साथ नहीं किया जाएगा। चयन संबंधी विस्तृत जानकारी आईआईटी-इंदौर की वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कई हैं अवसर

रिसर्च कोर्स करने के बाद कई नए अवसर खुल जाते हैं।

रिसर्च कॅरियर

टेक्नोलॉजी का विस्तार निरंतर हो रहा है। इसमें पीएचडी करने वालों के लिए रिसर्च से जुड़े अवसर ताउम्र बने रहेंगे। आपके पास सरकारी या निजी संस्थानों से जुड़ने का अवसर है

टीचिंग कॅरियर

पीएचडी कर लेने के बाद आपके सामने अच्छे संस्थानों में बतौर फुलटाइम प्रोफेसर काम करने का विकल्प खुल जाता है। आप साथ में पढ़ाई जारी रख सकते हैं।

इंडस्ट्रियल कॅरियर

पीएचडी डिग्री होल्डर को संबंधित इंडस्ट्री अपने यहां प्रोडक्ट रिसर्च या डेवलपिंग के काम में ले सकती है। इंडस्ट्रियल रिसर्च आजकल एक खास क्षेत्र बनकर उभरा है।

क्या है योग्यता

रिसर्च के लिए मूल अनिवार्यता मास्टर डिग्री है।आईआईटी से 8.0 सीपीआई वाले ग्रेजुएट भी पात्र माने गए हैं।

अलग-अलग स्ट्रीम्स में प्रवेश की अलग-अलग योग्यता रखी जाती है। फिलहाल इंजीनियरिंग फील्ड में प्रवेश संबंधी अनिवार्यताएं देख सकते हैं- इलेट्रिकल इंजीनियरिंग से पीएचडी करने के लिए जरूरी है कि आपने इसकी संबंधित ब्रांच में फर्स्ट क्लास के साथ मास्टर्स डिग्री ली हो। या आपने संबंधित ब्रांच में इंजीनियरिंग की बैचलर्स डिग्री ली हो और साथ में गेट का मान्य स्कोर भी हो। या फिर आपने कम से कम 8.0 सीपीआई के साथ आईआईटी से इंजीनियरिंग में बैचलर्स किया हो। या आपने संबंधित साइंस स्ट्रीम में मास्टर्स किया हो और मान्य गेट स्कोर/यूजीसी/सीएसआईआर जेआरएफ या अन्य फैलोशिप ली हो।

कैसे करें आवेदन

करवाएं रजिस्ट्रेशन

आवेदन करने के इच्छुक academic.iiti.ac.in/phdadvt.php पर फॉर्म भरकर सब्मिट करवा दें। एप्लीकेशन जमा करवाने के बाद इसका प्रिंट लें। प्रिंटआउट को साइन करके, स्टेट बैंक की कलेक्ट रसीद, हालिया फोटो, संबंधित प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियां समेत कई दस्तावेज साथ लेकर लाने हैं।

19

अगस्त है आईआईटी इंदौर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी के आवेदन की अंतिम तिथि।

एप्लीकेशन फीस

एप्लीकेशन फीस 100 है। इसके लिए आप वेबसाइट पर दिए लिंक के माध्यम से स्टेट बैंक कलेक्ट के जरिए भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा डिमांड ड्राफ्ट से एप्लीकेशन फीस भरने का भी प्रावधान है। इसके लिए "Registrar, IIT Indore" के पक्ष में डीडी बनवाना होगा। डीडी इंदौर, में देय होना चाहिए।